भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

24.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 299 का उत्तर

तमिलनाडु के मइलादुथुरई और तंजावुर जिलों के लिए नई ट्रेन

299. कुमारी सुधा आर.:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु के मइलादुथुरई और तंजावुर जिलों में चल रही और आगामी रेल परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार तमिलनाडु के मइलादुथुरई और तंजावुर जिलों के लिए/से/वाया कोई नई ट्रेन शुरू करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) तमिलनाडु राज्य विशेषकर मइलादुथुरई और तंजावुर जिलों में कितनी प्रतिशत रेल लाइन विद्युतीकृत है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

तमिलनाडु के मइलादुथुरई और तंजावुर जिलों के लिए नई ट्रेन के संबंध में दिनांक 24.07.2024 को लोक सभा में कुमारी सुधा आर के अतारांकित प्रश्न सं. 299 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): रेल परियोजनाओं को क्षेत्रीय रेल-वार स्वीकृत और शुरु किया जाता है, न कि राज्य-वार/जिला वार, क्योंकि रेल परियोजनाएं विभिन्न राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। बहरहाल, दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, मइलाडुतुरै और तंजावुर जिलों सहित तमिलनाडु राज्य में पूर्ण रूप से/आंशिक रूप से पड़ने वाली 33,467 करोड़ रुपये की लागत वाली 2,587 कि.मी. कुल लंबाई की 22 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (10 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 09 दोहरीकरण) योजना/स्वीकृति/निर्माण के विभिन्न चरणों में है, जिनमें से मार्च, 2024 तक 665 कि.मी. को कमीशन कर दिया गया है और 7153 करोड़ रुपये का का व्यय उपगत किया है। इसमें निम्नलिखित शामिल हैः

- **14,669 करोड़ रुपये की लागत से कुल 872 कि.मी. लंबाई की 10 नई लाइन परियोजनाओं, से मार्च, 2024 तक 24 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और 1,223 करोड़ रुपये का व्यय उपगत किया गया है।**

- **5,417 करोड़ रुपये की लागत से कुल 748 कि.मी. लंबाई की 03 आमान परिवर्तन परियोजनाओं, से मार्च, 2024 तक 604 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और 3,267 करोड़ रुपये का व्यय उपगत किया गया है।**

- **13,381 करोड़ रुपये की लागत से कुल 967 कि.मी. लंबाई की 09 दोहरीकरण परियोजनाओं, से 37 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है।**

पिछले तीन वर्षों (अर्थात 2021-2022, 2022-2023, 2023-24 और चालू वित्तीय वर्ष अर्थात 2024-25) में, मइलाडुतुरै और तंजावुर जिले सहित तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाले कुल 21 अदद सर्वेक्षण (04 नई लाइन और 17 दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 1,813 किलोमीटर है, को मंजूरी दी गई है और सर्वेक्षण कार्य शुरू हो गया है।

2014 से, बजट आवंटन और परियोजनाओं की तदनुरूप कमीशनिंग में पर्याप्त वृद्धि हुई है। तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाले अवसंरचना और संरक्षा कार्यों के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन का विवरण निम्नानुसार है:-

s.k

अवधि	औसत परिव्यय	2009-14 के दौरान औसत आवंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	879 करोड़ रु. प्रतिवर्ष	-
2013-14	922 करोड़ रु.	-
2023-24	6,080 करोड़ रु.	लगभग 7 गुना

2014-24 के दौरान, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाले 1302 किमी खंड (39 किमी नई लाइन, 456 किमी आमान परिवर्तन और 807 किमी दोहरीकरण) को 130.2 किमी प्रति वर्ष की औसत दर से कमीशन किया गया है।

यद्यपि निधि आबंटन में कई गुना वृद्धि हुई है लेकिन परियोजना के निष्पादन की गति शीघ्र भूमि अधिग्रहण पर निर्भर करती है। रेलवे राज्य सरकार के माध्यम से भूमि का अधिग्रहण करती है। राज्य सरकार क्षतिपूर्ति की राशि का आकलन करती है और रेलवे को बताती है। राज्य सरकार द्वारा मांग प्राप्त होने पर, रेलवे क्षतिपूर्ति की राशि संबंधित जिला भूमि अधिग्रहण प्राधिकरण के पास जमा करती है। तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है और लगभग 2749 हेक्टेयर की कुल आवश्यकता में से, केवल लगभग 807 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। रेलवे ने भूमि अधिग्रहण के लिए प्रयास शुरू किए थे लेकिन परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण करने में सफल नहीं हो सकी। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

(ख): इस समय मइलाडुतुरै स्टेशन को 66 रेलगाड़ियों द्वारा सेवित किया जा रहा है। इसी प्रकार, तंजावुर स्टेशन इस समय 65 रेलगाड़ियों द्वारा सेवित किया जा रहा है। इसके अलावा, यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, 10 विशेष रेलगाड़ियां भी मइलाडुतुरै स्टेशन पर चलाई जा रही हैं जबकि 4 विशेष रेलगाड़ियां तंजावुर स्टेशन पर चलाई जा रही हैं। इसके अलावा, परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात पैटर्न, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन भारतीय रेल पर नई गाड़ी सेवाएं शुरू करना एक सतत् प्रक्रिया है।

(ग): तमिलनाडु राज्य में अधिकांश बड़ी लाइनों को विद्युतीकृत किया जा चुका है। मइलाडुतुरै जिले में मौजूदा बड़ी लाइन का 100% विद्युतीकरण हो चुका है। तंजावुर जिले में थिरुवरुर-पट्टुकोट्टई-कराईकुडी की शेष बड़ी लाइन पर विद्युतीकरण का काम शुरू हो चुका है।

*****

s.k